नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 050
दि. 19.06.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'गाय का दूध पिएंगे, फिर सड़क पर छोड़ देंगे; फसल खराब होगी तो मुझे दोष देंगे..', कानपुर में बोले सीएम योगी

कानपुर में आयोजित 'प्राकृतिक खेती कार्यशाला-2026' में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोवंश संरक्षण, प्राकृतिक खेती और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया।

(जीएनएस)।

कानपुरः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानपुर में आयोजित 'प्राकृतिक खेती कार्यशाला-2026' में गोसंरक्षण, प्राकृतिक खेती, किसानों की आय और देश के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें कहीं। इस दौरान उन्होंने प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग गाय का दूध तो लेते हैं, लेकिन बाद में उन्हें बेसहारा छोड़ देते हैं। जब यही गोवंश फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं तो लोग सरकार को दोष देने लगते हैं।

गोमाता की रक्षा हमारा संकल्प

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, "हमारा संकल्प और संस्कार है कि गोमाता को कटने नहीं देंगे और देश की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ नहीं होने देंगे।"

उन्होंने कहा कि भारत में जन्मा प्रत्येक सनातन धर्मावलंबी गोमाता को पूजनीय मानता है और उसे परिवार का हिस्सा समझता है। गो आधारित खेती न केवल कृषि को मजबूत बनाती है, बल्कि गोवंश संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाती है।

विदेशियों की नकल से भारत को हुआ नुकसान

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राचीन काल में भारत की वैश्विक अर्थव्यवस्था में बड़ी हिस्सेदारी थी। उन्होंने दावा किया कि जब तक भारत किसानों, युवाओं, व्यापारियों और महिलाओं की क्षमता पर विश्वास करता रहा, तब तक देश समृद्ध रहा। लेकिन विदेशी मॉडल की अंधाधुंध नकल ने देश को आर्थिक रूप से कमजोर किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने फिर से अपनी ताकत पर भरोसा किया है, जिसके परिणामस्वरूप भारत आज दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है।

किसानों की स्थिति में आया बदलाव

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले किसान अधिक लागत और कम आय की समस्या से जूझ रहा था। उत्पादन का उचित मूल्य नहीं मिलने के कारण किसान आर्थिक संकट में था। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने किसानों को लागत का डेढ़ गुना न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने की गारंटी दी।

उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान सम्मान निधि, सॉइल हेल्थ कार्ड और कृषि सिंचाई योजना जैसी योजनाओं का भी उल्लेख किया।

प्राकृतिक खेती को बताया भविष्य

सीएम योगी ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता और लोगों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि प्राकृतिक खेती अपनाने से किसानों की लागत कम होगी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में भी कमी आएगी।

मुख्यमंत्री के अनुसार, उत्तर प्रदेश के 34 जिलों में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। गंगा किनारे के 27 जिलों और बुंदेलखंड के 7 जिलों में इस दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

14 लाख से अधिक गोवंश संरक्षित

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश की 7700 से अधिक गोशालाओं में 14 लाख से ज्यादा गोवंश संरक्षित हैं। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत गोवंश पालन करने वाले किसानों को प्रति पशु 1500 रुपये प्रतिमाह की सहायता दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि गाय का गोबर और अन्य प्राकृतिक संसाधन खेती की लागत कम करने में मददगार साबित हो सकते हैं।

विकसित भारत का आधार समृद्ध किसान

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए किसानों को आत्मनिर्भर बनाना होगा। उन्होंने कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत का आधार समृद्ध किसान, आत्मनिर्भर गांव और मजबूत कृषि व्यवस्था है।

विपक्ष पर भी साधा निशाना

अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों और ऊर्जा संकट के बावजूद भारत मजबूती से आगे बढ़ रहा है, जबकि विपक्ष का काम सिर्फ

दलगत सीमाओं को लांघकर सीएम योगी ने पेश की राजनीति की नई मिसाल

जब कोई शासक दलगत सीमाओं को लांघकर मयार्दा की लक्ष्मण रेखा की रक्षा के लिए खड़ा होता है, तो वह एक सामान्य राजनेता से ऊपर उठकर 'राजधर्म' का प्रतीक बन जाता है.

(जीएनएस)।

राजनीति में प्रतिद्वंद्विता का अपना व्याकरण होता है और कोई भी राजनेता अपने विरोधी पर आक्रमण से नहीं चूकता. ऐसा स्वाभाविक भी है क्योंकि हर दल की अपनी विचारधारा होती है, चुनावी रणनीतियां होती हैं और इसी के आधार पर जनता उनका आंकलन करती है, लेकिन, जब कोई शासक दलगत सीमाओं को लांघकर समाज के समग्र हित में खड़ा होता है, तो वह राजनीति में विशिष्ट दिखाई देने लगता है. वह राजधर्म का पालन करने वाले शासक के रूप में दिखाई देने लगता है.

ऐसे समय में जब राजनीतिक संस्कृति का क्षरण होने लगा है, जहां विरोधी दल के नेता को शत्रु मानकर बयानबाजियां की जाने लगी हैं, यहां तक कि परिवार तक को निशाने पर लिया जाने लगा है, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राजधर्म का पालन करते हुए राजनीति का आदर्श पेश करते हुए एक सामान्य राजनेता से ऊपर दिखाई देते हैं.

पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की बेटी को लेकर जब कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर भ्रामक और आपत्तिजनक सामग्री फैलाई तो सीएम योगी ने न सिर्फ इसे गंभीरता से लेते हुए मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया, बल्कि आजमगढ़ में सभा के दौरान ऐसे लोगों को स्पष्ट संदेश भी दिया- 'बेटी के खिलाफ कोई भी अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार नहीं है, बेटी तो बेटी है. हम उन संस्कारों में पले-बढ़े हैं, जहां गांव की बेटी सबकी बेटी होती है, बहन पूरे गांव की होती है.' ऐसे संकल्प मुख्यमंत्री के सांस्कारित सामाजिक बोध को दशार्ते हैं.

राजनीति में प्रतिद्वंद्विता की परिभाषा में विरोधी को कमजोर करना, उसके आधार पर क्षेत्रों की उपेक्षा करना और उसके अतीत से गड़े मुर्दे उखाड़कर वार करना आदि तरीके शामिल हैं. सोशल मीडिया में यह तरीके और भी आक्रामक हो जाते हैं, जिसमें अब नेताओं के परिवार को शामिल करने की विकृति भी दिखाई देने लगी है. यह राजनीतिक संस्कृति का वह क्षरण है जिस पर समाज के हर सचेत व्यक्ति को चिंता होनी चाहिए. ऐसे में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की बेटी को लेकर की गई टिप्पणी पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जो कदम उठाया, वह राजनीतिक आचार-व्यवहार का आदर्श है, जिसमें यह संदेश निहित है कि सत्ता का उपयोग केवल अपने दल के हितों की रक्षा के लिए न होकर समता का होना चाहिए.

विरोधी के गढ़ में भी 'सबका विकास'

लोकतंत्र में मतभेद संभव है, विवाद संभव है, तीखी बहसें भी स्वीकार्य हैं, लेकिन व्यक्तिगत गरिमा का हनन नहीं होना चाहिए और मन भेद भी नहीं होना चाहिए. योगी सरकार में यह वैचारिक परिपक्वता गहरी और व्यापक नजर आती है. उत्तर प्रदेश में चल रहे विकास कार्यों की ही बात करें, तो प्रदेश की राजनीति में एक अलिखित और पक्षपातपूर्ण नियम दशकों से चला आ रहा था, विकास वहीं जहां सत्ता के विधायक हों.

इस व्यवस्था का कोई आदेश नहीं जारी होता था, लेकिन नेता, अधिकारी और यहां तक कि जनता भी जानती थी. सत्ता के इस सौतेलेपन को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तोड़ा. आजमगढ़ का ही उदाहरण लें, जहां आतंकवाद की जड़ें थीं, पिछड़ेपन का बोझ था, अपराधियों का बोलबाला था, योगी सरकार की प्राथमिकता से वहां बदलाव हुआ. राजनीतिक रूप से आजमगढ़ में सपा का वर्चस्व रहा है. पहले मुलायम सिंह यादव फिर अखिलेश यादव का प्रभाव रहा है. वर्तमान में भी यहां न भाजपा का कोई विधायक है और न ही सांसद. मुख्यमंत्री ने राजनीतिक प्रतिशोध की राह नहीं अपनाई और आजमगढ़ को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, विश्वविद्यालय, एयरपोर्ट, संगीत महाविद्यालय आदि क्या कुछ नहीं मिला.

पीएम मोदी ने सेंट-गोबेन के सीईओ से की मुलाकात; टेक्नोलॉजी के साथ निवेश-नवाचार पर भी फोकस

(एजेंसी)।

पेरिस, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस दौरे के दौरान सेंट-गोबेन के सीईओ बेनोइट बाजिन से मुलाकात की। वह पेरिस में विवाटेक 2026 सम्मेलन में भी हिस्सा लेंगे। यहां भारत एआई पार्टनर कंट्री है। प्रधानमंत्री भारत की डिजिटल और नवाचार क्षमताओं को दुनिया के सामने रखेंगे। साथ ही फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ साझा मंच पर तकनीकी सहयोग और निवेश बढ़ाने पर भी जोर देंगे।

जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीन देशों के दौरे के अगले चरण में फ्रांस पहुंचे, जहां उन्होंने सेंट-गोबेन के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी बेनोइट बाजिन से मुलाकात की। पेरिस में हुई यह बैठक ऐसे समय हुई है जब भारत और फ्रांस के बीच निवेश, तकनीक और औद्योगिक सहयोग को नई गति देने पर जोर दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री का यह दौरा केवल कूटनीतिक बैठकों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका केंद्र बिंदु तकनीकी नवाचार, स्टार्टअप इकोसिस्टम और वैश्विक निवेश भी है।

सेंट-गोबेन के सीईओ से मुलाकात क्यों अहम मानी जा रही है?

प्रधानमंत्री मोदी और बेनोइट बाजिन की मुलाकात को भारत और फ्रांस के बीच आर्थिक एवं औद्योगिक सहयोग के नजरिए से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सेंट-गोबेन दुनिया की प्रमुख औद्योगिक कंपनियों में गिनी जाती है और भारत में भी उसकी मजबूत मौजूदगी है। ऐसे में यह बैठक निवेश, विनिर्माण, हरित प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में अहम मानी जा रही है। भारत लगातार वैश्विक कंपनियों को निवेश के लिए आकर्षित करने की कोशिश कर रहा है और प्रधानमंत्री की यह बैठक उसी रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है।

कई प्रमुख वैश्विक कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से भी की मुलाकात

इस दौरान पीएम ने कई प्रमुख वैश्विक कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान निवेश, तकनीक, रेलवे आधुनिकीकरण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में भारत में संभावनाओं पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने सेंट-गोबेन के चेयरमैन और सीईओ बेनोइट बाजिन से मुलाकात कर निर्माण और सामग्री क्षेत्र में निवेश तथा सतत विकास से जुड़े अवसरों पर विचार-विमर्श किया। बाजिन ने भारत में कंपनी के विस्तार और नए निवेश की योजनाओं की जानकारी दी।

पाकिस्तान के गैंगस्टर शहजाद भट्टी से जुड़े आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़, बुलंदशहर से 2 अरेस्ट कौन?

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश पुलिस की एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड (ATS) ने एक बार फिर पाकिस्तान से संचालित आतंकी-गैंगस्टर नेटवर्क को करारा झटका दिया है। गुरुवार (18 जून 2026) को अळर ने बुलंदशहर जिले के अकबरपुर गांव से मोहम्मद उमर और फैजान नाम के दो युवकों को गिरफ्तार किया। दोनों पाकिस्तान में रह रहे गैंगस्टर शहजाद भट्टी और उसके सहयोगी आबिद जट्ट के नेटवर्क से जुड़े बताए जा रहे हैं।

यह गिरफ्तारी महज दो युवकों की नहीं, बल्कि भारत की संप्रभुता, सामाजिक सद्भाव और सुरक्षा को निशाना बनाने वाले बड़े क्रॉस-बॉर्डर नेटवर्क का हिस्सा है। जांच में सामने आया है कि आरोपी सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे और पैसे के लालच में देश-विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने की तैयारी कर रहे थे। आइए विस्तार से समझते हैं....

ATS अधिकारियों के अनुसार, खुफिया जानकारी के आधार पर 17 जून को दोनों को बुलंदशहर से पकड़ा गया। पूछताछ में उन्होंने कबूल किया कि शहजाद भट्टी, आबिद जट्ट, हम्माद बरकती और राणा हुनैन जैसे पाकिस्तानी हैंडलर्स के निर्देश पर काम कर रहे थे।

आरोपियों को सौंपे गए कामः

बुलंदशहर के विभिन्न इलाकों में आबिद जट्ट के पोस्टर चिपकाना और इसका वीडियो बनाकर पाकिस्तान भेजना।

संवेदनशील जगहों की रेकी (सर्विलांस) करना - खासकर लखनऊ छावनी और प्रयागराज के बमरौली एयर फोर्स स्टेशन की।

देश में सामाजिक तनाव पैदा करने, दहशत फैलाने और आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाली प्रोपेगैंडा सामग्री फैलाना।

पोस्टर चिपकाने के लिए 12,000 रुपये और रेकी के लिए 10,000 रुपये का लालच दिया गया था। अळर ने उनके पास से 55 पोस्टर, वीडियो क्लिप्स और अन्य डिजिटल सबूत बरामद किए हैं। लखनऊ अळर थाने में वअढअ समेत संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर आगे की जांच चल रही है।

शहजाद भट्टी पाकिस्तान में सक्रिय एक गैंगस्टर है, जिसे भारतीय सुरक्षा एजेंसियां क्रक का प्रॉक्सी मानती हैं। वह भारत में युवाओं को रेडिकलाइज करने, स्लीपर सेल बनाने, टारगेट किलिंग, हथियार सप्लाई और प्रोपेगैंडा फैलाने का काम करता है।

पिछले कुछ महीनों में यूपी अळर, रळऋऔर अन्य राज्यों की एजेंसियों ने इस नेटवर्क के खिलाफ कई कार्रवाई की हैं:

मई 2026 में सहारनपुर, मेरठ, आजमगढ़ आदि जगहों से कई गिरफ्तारियां।

अब तक इस नेटवर्क से जुड़े 5 मामले दर्ज और 15 से ज्यादा आरोपी गिरफ्तार।

दिल्ली, पंजाब और यूपी में टारगेटेड अटैक्स की प्लानिंग का खुलासा।

यह नेटवर्क सोशल मीडिया का भरपूर इस्तेमाल करता है।

'अहीरों से गाली सुनने पड़ेगी', सपा पार्टी पर रोली तिवारी का बड़ा हमला, कौन है मनुरोजन?

सपा प्रमुख अखिलेश की बेटी अदिति यादव के नाम पर की गई

आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर प्रदेश में विवाद छिड़ा हुआ है तो वहीं पार्टी की पूर्व प्रवक्ता रोली तिवारी मिश्रा ने सपाइयों के बर्ताव पर सवाल खड़े कर दिए हैं और जमकर अखिलेश यादव और डिंपल पर हमला बोला है।

उन्होंने कहा था कि 'अपनी बेटी पर आई थी तो बहुत बुरा लगा लेकिन जब आपकी ही पार्टी के लोग महिला कार्यकताओं पर अश्लील फब्तियां कसते थे तो आप क्यों चुप रहते थे? तब किसी पर कोई एक्शन क्यों नहीं

'पाताल से भी ढूंढ निकालेंगे', फर्जी वीडियो मामले पर भगवंत मान का बड़ा खुलासा

(जीएनएस)।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के एक कथित वीडियो को लेकर चल रहे विवाद पर आखिरकार मुख्यमंत्री ने खुद बड़ा बयान दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो को लेकर सीएम मान ने साफ किया है कि इस वीडियो का उनसे कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने इसे अपनी छवि खराब करने का एक बेहद ओछा और सुनियोजित प्रयास बताया है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दावा किया है कि वायरल हो रहे इस वीडियो में वह स्वयं मौजूद नहीं हैं, बल्कि उनके जैसी कद-काठी और दिखने वाले एक हमशक्ल कलाकार का इस्तेमाल किया गया है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष और उनके विरोधी राजनीतिक लाभ उठाने के लिए इस तरह के अनैतिक हथकंडे अपना रहे हैं, जो पूरी तरह से स्थापित मयार्दाओं के खिलाफ है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए वीडियो की गहन वैज्ञानिक व फॉरेंसिक जांच

कराई गई है ताकि सच पूरी तरह से सबके सामने आ सके। इस उच्च स्तरीय तकनीकी जांच में वीडियो के एक-एक हिस्से का सूक्ष्मता से विश्लेषण किया गया। जांच टीम ने वीडियो के कुल 1191 फ्रेम की बारीकी से पड़ताल की है।

इस फॉरेंसिक एनालिसिस की रिपोर्ट का हवाला देते हुए भगवंत मान ने कहा कि जांचे गए 1191 फ्रेम में से एक भी फ्रेम ऐसा नहीं है जो उनसे मेल खाता हो। उन्होंने कहा कि यह फॉरेंसिक रिपोर्ट इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि सोशल मीडिया पर जो कुछ भी उनके नाम पर प्रसारित किया जा रहा है, वह पूरी तरह से प्रायोजित और झूठा है।

मुख्यमंत्री ने इस पूरे घटनाक्रम को एक गंभीर राजनीतिक षड्यंत्र करार दिया है। उनका कहना है कि जनहित में उनकी सरकार द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों से परेशान होकर कुछ विरोधी तत्व अब व्यक्तिगत लांछन पर उतर आए हैं।

कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस ने 7 में 5 सीटें जीतीं, क्रॉस वोटिंग से भाजपा-जेडीएस को झटका

(जीएनएस)।

कर्नाटक विधान परिषद (MLC) चुनाव 2026 में कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 में से 5 सीटों पर कब्जा जमा लिया है। इस जीत को मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के नेतृत्व में कांग्रेस की बड़ी राजनीतिक सफलता माना जा रहा है। वहीं भाजपा और जेडीएस को उम्मीद से कम समर्थन मिलने से विपक्ष को झटका लगा है।

चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस खेमे में जश्न का माहौल है। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला और अन्य नेताओं ने इसे पार्टी की नीतियों और संगठन की मजबूती पर जनता व विधायकों की मुहर बताया है।

इस चुनाव में न सिर्फ कांग्रेस के सभी उम्मीदवार जीते, बल्कि इखढ और खऊ के खेमे में अपने विधायकों ने कांग्रेस के पक्ष में 'क्रॉस वोटिंग' कर दी। इस बड़ी जीत को राज्य में कांग्रेस सरकार की नीतियों और गारंटी योजनाओं पर मुहर माना जा रहा है।

कांग्रेस के ये 5 'सूरमा' जीते, विपक्ष को मिली सिर्फ 2 सीटें

बेंगलुरु के विधान सौध में सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक वोटिंग हुई, जिसमें सभी 222 विधायकों ने हिस्सा लिया (100% टर्नआउट)। शाम को जब नतीजे आए, तो कांग्रेस खेमे में जश्न का माहौल था।

कांग्रेस के विजेता उम्मीदवारः

बीके हरिप्रसाद - पार्टी के बेहद सीनियर नेता।

तिप्पन्नाप्पा कामकनूर - तीसरी बार परिषद पहुंचे।

पीवी मोहन - जमीनी स्तर के पुराने कार्यकर्ता।

शिवन्ना मलावल्ली - छात्र राजनीति और युवाओं के बड़े चेहरे।

विनय कार्तिक - युवा और उभरते नेता।

:'उज्जैनी को उठवा लेंगे', तेज ने दी अनुष्का के भाई को आकाश धमकी! विश्वोई से क्या है कनेक्शन?

इलालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव के खिलाफ उनकी तथाकथित गर्लफ्रेंड अनुष्का यादव के भाई आकाश यादव ने कोर्ट में केस किया है जिस पर आज सुनवाई हुई है और इसी वजह से एक बार फिर से तेज और अनुष्का के रिलेशनशिप को लेकर चर्चा होने लगी है।

आकाश यादव का आरोप है कि 'बीते 6 जून को तेज प्रताप यादव अपने निजी सहायक (पीए) मोतीलाल यादव के साथ अचानक उनके पाटलिपुत्र स्थित फ्लैट पर पहुंच गए और जबरन घर में घुसने की कोशिश की, उस समय आकाश यादव घर पर मौजूद नहीं थे।'

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

'महापापियों के लिए कुरुक्षेत्र साबित होगी अयोध्या', अखिलेश यादव ने चढ़ावा मामले को लेकर भाजपा पर साधा निशाना

(जीएनएस)।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मंदिर के चढ़ावा प्रकरण को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने गुरुवार को एक्स पर लिखा,'अयोध्या महापापियों के लिए कुरुक्षेत्र साबित होगी। यहीं भाजपाई राजनीति का आरंभ हुआ था, यहीं अंत भी होगा।'

सपा प्रमुख ने आगे लिखा कि चढ़ावे-चंदे-दान-शिला चोरी की घटना के बाद से दर्शनार्थियों की संख्या पर नकारात्मक असर पड़ा है। पावन सनातनी तीर्थ की शुचिता, जिन भाजपाइयों और उनके संगी-साथियों की वजह से कलुषित हुई है, वो अपना कारनामा करके सदैव की तरह

स्थानीय लोग मंदिर जाने से भी घबरा रहे हैं कि कहीं उनको ही जांच के नाम पर फंसा न दिया जाए। जांच कहां तक पहुंची, इसकी डेली

ब्रीफिंग होनी चाहिए, क्योंकि भाजपा सरकार में हो रहे 'महा-भ्रष्टाचार' के कारण जनता का एसआईटी तक पर विश्वास नहीं है। मथुरा से भी आई धांधली की खबर गंभीर है, उसकी भी उच्च स्तरीय जांच हो। मुख्यमंत्री के बयान, 'गाय का दूध पियेंगे और सड़कों पर छोड़ देंगे', को लेकर लिखा, '14 दिन में छुट्टा पशुओं की समस्या से छुटकारा दिलाने का वादा करने वालों को जब यह बयान सुनाया जाएगा तो कहीं चुनाव से पहले ही इनका सफाया न हो जाए। ये अपनी बात का नहीं तो अपनों से बड़ों की बात का तो सम्मान करें, याद रहे दिल्ली की पर्ची सिर्फ किसी के बनाने के लिए नहीं आती है, वहां की पर्ची पर तो पूरी कैबिनेट बदल जाती है।'

वहीं गुरुवार को पार्टी मुख्यालय पर बीएससी नर्सिंग के छात्रों ने सपा प्रमुख से मुलाकात कर अपनी समस्याएं बताईं। वहीं मेरठ के अनुष्का पाल हत्याकांड मामले में पीड़ित स्वजन भी सपा प्रमुख से मिले। सपा प्रमुख ने पीड़ित परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी, 50 लाख रुपये की आर्थिक मदद और सीबीआई जांच की मांग की।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला: सीएम योगी के कार्यक्रम से दूर रहेंगे ट्रस्ट महासचिव चंपतराय

(जीएनएस)।

अयोध्या। रामजन्मभूमि परिसर के शिव मंदिर पर ध्वजारोहण करने के डेढ़ माह बाद फिर राम मंदिर पहुंच रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम से श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय को दूर कर दिया गया है।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की ओर से जारी हुए पत्र में बिंदु संख्या-29 पर चंपतराय से अपेक्षा की गयी है कि मुख्यमंत्री के राम मंदिर में दर्शन करने की स्थिति में अपना कोई प्रतिनिधि नामित करते हुए ड्यूटीरत मंदिर मजिस्ट्रेट को सीयूजी नंबर-9454417152 पर अवगत करा दें। हालांकि, डीएम कार्यालय के अनुसार अभी प्रतिनिधि नहीं नामित हुआ है। माना जा रहा कि जिला प्रशासन ने यह कदम शासन से मिले निर्देश के बाद ही उठाया है।

राम मंदिर के दानपात्रों की धनराशि में गबन का मामला प्रकाश में आने के 13 दिनों बाद अब तक

कई संदिग्धों के नाम सामने आ चुके हैं। इनमें से कुछ महासचिव चंपतराय के भी करीबी बताए गए हैं। कभी उनके ड्राइवर रहे रामशंकर यादव टिन्नू की भूमिका भी संदेह के दायरे में है। हालांकि वह दो दिन पहले सामने आकर स्वयं को बेदाग बता चुके हैं।

टिन्नू ने चंपतराय की भूमिका को भी नकारा है। इसके बाद भी राज्य सरकार की ओर से गठित विशेष जांच दल (एसआइटी) ने महासचिव चंपतराय व व्यवस्थापक गोपाल राव से दो दिन जानकारी ली है। चढ़ावा चोरी की एसआइटी जांच के बीच ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम प्रस्तावित हो गया है। सीएम का शुक्रवार को पहले रुदौली क्षेत्र के माता कामाख्याधाम में आगमन होगा। रुदौली विधायक रामचंद्र यादव ने बताया कि सीएम वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा का अनावरण, दर्शन-पूजन और कई योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। रुदौली से ही वह गोंडा जनपद चले जाएंगे। दूसरी बेला में उनका पुनर्आगमन अयोध्या में होगा। इस दौरान वह सबसे पहले बजरंगबली, फिर रामलला का दर्शन करेंगे और अन्य कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

मुख्यमंत्री के राम मंदिर में दर्शन के दौरान महासचिव चंपतराय का मुख्यमंत्री से आमना सामना न हो, इसके लिए उन्हें अपना प्रतिनिधि नामित करके अवगत कराने को कहा गया है। सूत्रों का कहना है कि एसआइटी जांच और चढ़ावा चोरी प्रकरण के कारण ही शासन से मिले निदेर्शों के अनुपालन में ही जिलाधिकारी ने यह अपेक्षा की है।

अयोध्या सहित आस-पास की सीटें क्यों हारी बीजेपी? पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने बता दी बड़ी वजह

बीजेपी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने एक बार फिर अपनी सरकार पर सवाल खड़े किए हैं. उन्होंने कहा कि अयोध्या समेत आस-पास की सीटों पर 2024 में मिली हार की वजह बैरियर थी. उन्होंने कहा कि इतने बैरियर लगा दिए गए कि आम जनता अयोध्या से कट गई. आखिर 6-7 सालों से बैरियर लगाकर रास्ता क्यों बंद किया गया था.

(जीएनएस)।

गोंडा. गोंडा जिले की कैसरगंज लोकसभा सीट से पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने एक बार फिर अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा किया है. पहले राम मंदिर चढ़ावा चोरी और अब गोंडा से लेकर अयोध्या तक लगे बैरियर को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की है. बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि यही वजह है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में अयोध्या समेत आस-पास की सीटों पर पार्टी को हार झेलनी पड़ी.

उन्होंने कहा कि इन बैरियर की

वजह से सजा आम जनता ने भुगता, जिसकी वजह से बीते चुनाव में पार्टी को सबसे बड़ा नुकसान भी हुआ. बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि विनय कटियार आज यह जो सवाल उठा रहे हैं यह 100% सही है. राम मंदिर मंदिर बनने के बाद अगर किसी को सजा मिली तो देवीपाटन और बस्ती मंडल के लोगों को मिली. फैजाबाद और बाराबंकी के लोगों को मिली है. इतने बैरियर लगा दिए गए, जिसकी सजा आम आदमियों ने भोगी है. आम आदमी अयोध्या से कट गया. इसका परिणाम भी पार्टी ने भोगा है. आप देखिए अयोध्या, अम्बेडकर नगर, बस्ती, बाराबंकी सीट हार गए.

बैरियर का खामियाजा पार्टी ने भोगा

बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि मेरा सवाल है रास्ते क्यों बंद किए गए थे. यह रास्ते जो अब आवाज उठाने पर खोले गए हैं, 6-7 साल से क्यों बंद थे. 200 रुपए दीजिये तो तुरंत बैरियर हट जाएगा. इसका खामियाजा पार्टी ने भोगा है. बृजभूषण शरण सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव निराशाजनक प्रदर्शन के पीछे बैरियर यानी टोल प्लाजा ही थे.

राम मंदिर में चोरी पर खरी खरी सुनाने के बाद खुद के राम मंदिर दर्शन करने जाने को लेकर भी बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि मैं तो अभी तक अयोध्या राम मंदिर दर्शन करने के लिए ही नहीं गया. अब जब विनय कटियार दर्शन करने के लिए जाते हैं तो उनसे तो पास मांगा जाता है. हमको तो दर्शन करने जाने ही नहीं देंगे, सब लट्ठ बजा देंगे. हमसे तो सब बहुत नाराज रहते हैं. बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि विनय कटियार अगर कह रहे हैं कि मंदिर आंदोलन से जुड़े लोगों की अपेक्षा हो रही है तो क्या गलत कह रहे हैं.

जैन मुनि, जैन दर्शन के सिद्धांतों और विचारों के माध्यम से पूरे विश्व में परिवर्तन ला रहे हैं: लोक सभा अध्यक्ष

जैन धर्म की शिक्षाएँ, शांति, आत्म-संयम और नैतिक जीवन जीने का एक शाश्वत मार्ग दिखाती हैं: लोक सभा अध्यक्ष

आत्म-संयम, मन पर नियंत्रण, विचारों की शुद्धता और नैतिक मूल्यों का अनुसरण करने से परमानंद की प्राप्ति होती है । : लोक सभा अध्यक्ष

माननीय लोक सभा अध्यक्ष ने रायपुर, छत्तीसगढ़ में आचार्य पदारोहण एवं सहस्त्रावधान तपस्या महोत्सव में लोगों को संबोधित किया ।

(जीएनएस)।

रायपुर (छत्तीसगढ़), 18 जून 2026: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज कहा कि जैन मुनि और संत, जैन दर्शन के सिद्धांतों और मूल्यों के माध्यम से न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व में सामाजिक परिवर्तन ला रहे हैं ।

परम पूज्य आचार्य श्री विनय कुशल जी महाराज के भव्य आचार्य पदारोहण समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री बिरला ने वर्तमान समय की चुनौतियों का समाधान करने में जैन दर्शन की शिक्षाओं को बहुत प्रासंगिक बताया । उन्होंने कहा कि ऐसे समय, जबकि समाज तनाव, चिंता, संघर्ष और नैतिक मूल्यों के पतन जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है, जैन धर्म की शिक्षाएँ शांति, आत्म-संयम और नैतिक जीवन जीने का एक शाश्वत मार्ग दिखाती हैं।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय; छत्तीसगढ़ विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह; केन्द्रीय मंत्री श्री तोखन साहू, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

जैन दर्शन के मूल सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सच्ची खुशी केवल भौतिक संपदा से प्राप्त नहीं की जा सकती। बल्कि, आत्म-संयम, अपने मन पर नियंत्रण, विचारों की पवित्रता और नैतिक मूल्यों के पालन से ही स्थायी संतुष्टि प्राप्त होती है। इस संदर्भ में, उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अहिंसा, करुणा और संयम संबंधी भगवान महावीर की शिक्षाएं आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि सभी जीवों के प्रति अहिंसा, करुणा और दया का व्यवहार करके ही विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है। उन्होंने जैन संतों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन संतों ने सत्य, सहानुभूति और आध्यात्मिक जागरूकता जैसे मूल्यों आधारित नैतिक समाज के निर्माण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

जैन संतों के आत्म संयम को नमन करते हुए, श्री बिरला ने उन संतों के प्रेरक उदाहरण पर प्रकाश डाला जो अपने अंतर्मन को दृढ़ बनाने और समाज का मार्गदर्शन करने के लिए दीर्घ उपवास एवं कठोर आध्यात्मिक साधना करते हैं। गहन आध्यात्मिक अनुशासन के माध्यम से एक युवा बाल मुनि द्वारा सिद्धि प्राप्त करने की उल्लेखनीय उपलब्धि का उल्लेख करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियाँ इस बात को दशार्ती हैं कि कम आयु में भी एकाग्रता, ज्ञान और तपस्या के माध्यम से अपने जीवन को पूरी तरह से बदला जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जैन आचार्यों और संतों का जीवन अनुशासन, त्याग और निस्वार्थ सेवा का जीवंत उदाहरण है। उनका आचरण लोगों को अपने जीवन में धैर्य, आत्मसंयम और नैतिक मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संतों और मुनियों का मार्गदर्शन, भावी पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा और आध्यात्मिक विकास तथा नैतिक उत्कृष्टता के प्रति समाज की प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा।

श्री बिरला ने लोगों से सत्य, नैतिकता, आत्म-अनुशासन और करुणा के मूल्यों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इन्हीं मूल्यों के आधार पर मजबूत तथा अधिक सौहार्दपूर्ण समाज का निर्माण हो सकता है। उन्होंने दोहराया कि जैन संतों की शिक्षाएं और भगवान महावीर का दर्शन शांतिपूर्ण, नैतिक और प्रबुद्ध समाज के निर्माण के लिए प्रेरणा के प्रभावशाली स्रोत बनी हुई हैं।

यूपी में अब हर वीकेंड 'सुगम दर्शन'; लखनऊ और प्रयागराज से शुरू होगी यात्रा, वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगी यह सुविधा

(जीएनएस)।

लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार ने 'विजिट माय स्टेट' अभियान के माध्यम से श्रद्धालुओं को रामनगरी अयोध्या की दिव्य आस्था और नैमिषारण्य की सनातन आध्यात्मिक चेतना से जोड़ने का अभियान तेज किया है. उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) ने 'सुगम दर्शन' सहित पांच वीकेंड धार्मिक टूर पैकेज को रेग्यूलर कर दिया है. अब श्रद्धालु लखनऊ से अयोध्या और नैमिषारण्य के साथ-साथ प्रयागराज-अयोध्या, प्रयागराज-चित्रकूट और प्रयागराज-विंध्याचल धाम की यात्रा नियमित रूप से कर सकेंगे. इन सेवाओं का लाभ इस वीकेंड से मिलना प्रारंभ हो जाएगा.

समूह बुकिंग पर विशेष छूट : यूपीएसटीडीसी प्रदेश में 'विजिट माय स्टेट' अभियान को बढ़ावा देते हुए यात्रियों के लिए बुकिंग प्रक्रिया को और आसान बनाया है. श्रद्धालु और पर्यटक अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से यात्रा की बुकिंग करा सकते हैं. विशेष टूर पैकेज की बुकिंग यूपीएसटीडीसी की आधिकारिक वेबसाइट ४स्र२३ßङ्क्षल्ल के माध्यम से की जा सकती है. सभी यात्रा पैकेज में समूह बुकिंग पर विशेष छूट दी जाएगी.

'सुगम दर्शन' सेवा को नियमित किया गया : उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'यूपीएसटीडीसी श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर आकर्षक टूर पैकेज संचालित करता है. उन्होंने बताया कि विजिट माय स्टेट को बढ़ावा देते हुए 'सुगम दर्शन' सेवा को व्यापक जनसमर्थन के बाद नियमित कर दिया गया है.'

लखनऊ से नैमिषारण्य धाम के लिए संचालित एक दिवसीय यात्रा को भी नियमित किया गया है. उन्होंने बताया कि कुंभ नगरी प्रयागराज से राम नगरी अयोध्या, चित्रकूट धाम और विंध्याचल के लिए एक दिवसीय वीकेंड टूर पैकेज को भी नियमित किया गया है. उन्होंने कहा कि अगर किसी यात्रा में सिर्फ दो श्रद्धालु ही बुकिंग कराते हैं, तब भी यात्रा संचालित की जाएगी.

सुबह 7:30 बजे से होगी यात्रा की शुरूआत : लखनऊ से अयोध्या के लिए अब हर शनिवार और रविवार को

संचालित होने वाली इस एकदिवसीय 'सुगम दर्शन' यात्रा की शुरूआत सुबह 7:30 बजे राजधानी स्थित होटल गोमती से होगी. इसके बाद वाहन 1090 चौराहे (7:45 बजे) और पॉलिटेक्निक चौराहे (आठ बजे) से श्रद्धालुओं को लेकर लगभग 10:30 बजे अयोध्या पहुंचेगा.

हनुमानगढ़ी, श्रीराम जन्मभूमि और कनक भवन के दर्शन : दिनभर के भ्रमण के दौरान श्रद्धालुओं को हनुमानगढ़ी, श्रीराम जन्मभूमि और कनक भवन के पावन दर्शन कराए जाएंगे. दोपहर में सरयू गेस्ट हाउस में भोजन की व्यवस्था के बाद सरयू रिवर फ्रंट, राम की पैड़ी और नागेश्वरनाथ मंदिर का भ्रमण कराया जाएगा. शाम पांच बजे यात्रियों की लखनऊ वापसी होगी.

टेंपो ट्रैवलर के माध्यम से संचालित इस किफायती पैकेज का शुल्क वरिष्ठ नागरिकों के लिए 1,500 रुपये और अन्य यात्रियों के लिए 2,000 रुपये निर्धारित किया गया है. यात्रा को सुविधाजनक और आरामदायक बनाने के लिए स्थानीय गाइड, पेयजल और दोपहर के भोजन की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है.

लखनऊ-नैमिषारण्य एक दिवसीय यात्रा प्रत्येक शुक्रवार लखनऊ के होटल से सुबह 07:30 बजे शुरू होगी, जो 10 बजे गंतव्य तक पहुंचेगी. बाद में यात्रियों को चक्रतीर्थ, व्यास गद्दी और दधीचि कुंड के दर्शन करवाए जाएंगे. लंच के बाद श्रद्धालुओं को ललिता देवी मंदिर, बालाजी मंदिर, हवन कुंड और हनुमान गढ़ी मंदिर के भ्रमण कराए जाएंगे.

शाम 05:30 बजे लखनऊ के लिए टेंपो ट्रैवलर रवाना होगी, जो करीब आठ बजे लखनऊ पहुंचेगी. यह टेंपो ट्रैवलर भी यात्रियों की सुविधानुसार होटल से सुबह 7:30 बजे, 1090 चौराहे से सुबह 7:45 बजे और पॉलिटेक्निक चौराहे से सुबह आठ बजे रवाना होगा. लखनऊ-नैमिषारण्य यात्रा पैकेज अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के लिए यात्रा शुल्क 1,000 रुपये और अन्य यात्रियों के लिए 1,700 रुपये निर्धारित किया गया है.

प्रयागराज-चित्रकूट एक दिवसीय यात्रा हर शनिवार सुबह सात बजे प्रयागराज से शुरू होकर लगभग 10 बजे चित्रकूट पहुंचेगी, जहां श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम की तपोभूमि से जुड़े प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे. यात्रा के दौरान गुप्त गोदावरी, माता अनसूया आश्रम, स्फटिक शिला और राम दरबार के साथ-साथ कामतानाथ मंदिर और हनुमान धारा के दर्शन का अवसर मिलेगा.

दोपहर में भोजन (स्व-वित्तपोषित आधार पर) की व्यवस्था रहेगी. इसके बाद शाम पांच बजे वापसी यात्रा प्रारंभ होगी. रात आठ बजे प्रयागराज पहुंचकर यात्रा का समापन होगा. आरामदायक अर्बेनिया ट्रैवलर से संचालित इस पैकेज का शुल्क मात्र 1000 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित किया गया है.

यूपीएसटीडीसी की तरफ से श्रद्धालुओं के लिए प्रयागराज से विंध्याचल तक विशेष एक दिवसीय धार्मिक पर्यटन पैकेज संचालित किया जा रहा है. यह यात्रा हर शुक्रवार सुबह सात बजे प्रयागराज से शुरू होकर लगभग 10 बजे विंध्याचल पहुंचेगी, जहां श्रद्धालुओं को मां विंध्यवासिनी देवी के दिव्य दर्शन का अवसर प्राप्त होगा.

भोजन के बाद श्रद्धालुओं को अष्टभुजा मंदिर और काली खोह जैसे प्रमुख शक्तिपीठों के दर्शन कराए जाएंगे. शाम पांच बजे वापसी यात्रा शुरू होगी और रात आठ बजे प्रयागराज पहुंचकर यात्रा का समापन होगा. आरामदायक अर्बेनिया ट्रैवलर से संचालित इस पैकेज का शुल्क मात्र 600 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित किया गया है.

उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम की तरफ से श्रद्धालुओं के लिए प्रयागराज से अयोध्या तक एक दिवसीय विशेष धार्मिक यात्रा भी संचालित की जा रही है. यह यात्रा हर रविवार सुबह सात बजे प्रयागराज से शुरू होकर 10 बजे अयोध्या पहुंचेगी, जहां श्रद्धालु राम की पैड़ी में पवित्र स्नान, हनुमानगढ़ी और श्रीराम मंदिर के दर्शन कर सकेंगे.

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर चालक की एक गलती से खतरे में पड़ गई पांच जिंदगियां, भयानक हुआ हादसा

(जीएनएस)।

आगरा, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर लखनऊ से आगरा लौट रही एक कार चालक को झपकी आने से अनियंत्रित होकर पुलिया से टकरा गई। हादसे में चालक समेत पांच लोग घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद आगरा रेफर किया गया।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बुधवार मध्यरात्रि लखनऊ से आगरा आ रही एक कार चालक को नींद की झपकी आने से अनियंत्रित कार पुलिया से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई ।हादसे में

चालक समेत पांच लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और यूपीडा की टीम ने घायलों को कार से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस के मुताबिक कार चालक दिनेश पुत्र दाताराम निवासी नगला सुखराम, जिला आगरा, लखनऊ से आगरा लौट रहा था। कार में अभय सोनी पुत्र रबीस वर्मा निवासी नगला पदी, दयालबाग (आगरा), लीना वर्मा पुत्री दिनेश चंद्र वर्मा निवासी सेफऊ (हाथरस), शेफाली पुत्री सुरेश चंद तथा सालू वर्मा पुत्री मोहित वर्मा निवासी प्रताप नगर, आगरा सवार थे।जैसे ही उनकी कार बुधवार मध्यरात्रि थाना फतेहाबाद क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 36.500 पर पहुंचते ही चालक को नींद की झपकी आ गई। इससे कार अनियंत्रित होकर पुलिया से टकरा गई। हादसे में कार सवार सभी लोग घायल हो गए।

सूचना मिलते ही फतेहाबाद पुलिस और यूपीडा की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घायलों को कार से बाहर निकालकर सीएचसी फतेहाबाद में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए आगरा रेफर कर दिया गया। यूपीडा के सहायक सुरक्षा अधिकारी प्रथम राधा मोहन द्विवेदी ने बताया कि चालक को नींद की झपकी आने के कारण कार पुलिया से टकरा गई थी। सभी घायलों को उपचार के लिए

केंद्र का बड़ा कदम: पीएसएस के तहत चार राज्यों में दाल और तिलहन खरीद से किसानों को होगा फायदा- श्री शिवराज सिंह चौहान

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चार राज्यों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर दालों एवं तिलहन की बड़े पैमाने पर खरीद को मंजूरी दी। मूल्य समर्थन योजना (PSS) के तहत तमिलनाडु, गुजरात, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में यह खरीद की जाएगी जिससे किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित होगा और उन्हें अपनी उपज औने-पौने दामों पर बेचने से राहत मिलेगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के इस फैसले के तहत उत्तर प्रदेश को सबसे बड़ा लाभ मिला है, जहां ग्रीष्म 2026 सीजन के लिए 48,298 मीट्रिक टन मूंग, 97,970 मीट्रिक टन उड़द और 41,718 मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद को मंजूरी दी गई है। इन स्वीकृतियों का कुल टरढ मूल्य 1,490 करोड़ रुपये से अधिक है। इससे राज्य के दाल और तिलहन उत्पादक किसानों को बड़ा सहारा मिलेगा।

श्री शिवराज सिंह द्वारा गुजरात में ग्रीष्म 2026 सीजन के लिए 18,250 मीट्रिक टन मूंग की खरीद को मंजूरी दी गई है। यह खरीद भी ढरर के तहत की जाएगी और इसका कुल टरढ मूल्य 160 करोड़ रु. से अधिक होगा। इस निर्णय से राज्य के मूंग उत्पादक किसानों को बाजार में बेहतर मूल्य मिल सकेगा।

तमिलनाडु के मामले में केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने रबी मार्केटिंग सीजन 2025-26 के लिए मूंग की खरीद सीमा को 885 मीट्रिक टन से बढ़ाकर 990 मीट्रिक टन कर दिया है। यानी अतिरिक्त 105 मीट्रिक टन मूंग की खरीद की जाएगी। इस स्वीकृति का कुल टरढ मूल्य 8.68 करोड़ रु. होगा जिससे राज्य के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। वहीं, हरियाणा में ग्रीष्म 2026 सीजन के लिए 2,115 मीट्रिक टन मूंग की खरीद को मंजूरी दी गई है

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

अमेरिका-ईरान समझौता हुआ लागू

18 जून 2026 को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने 14-सूत्री समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जो 28 फरवरी 2026 से शुरू हुए अमेरिका-ईरान संघर्ष को समाप्त करने का लक्ष्य रखता है। ट्रंप ने फ्रांस में जी7 शिखर सम्मेलन के बाद फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा वर्साय महल में आयोजित डिनर के दौरान भौतिक प्रति पर हस्ताक्षर किए। पेजेशकियन ने तेहरान में हस्ताक्षर किए और समझौता तुरंत प्रभावी हो गया। यह एमओयू पिछले युद्ध विराम को 60 दिनों के लिए बढ़ाता है, जिसमें लेबनान सहित सभी मोर्चे शामिल हैं। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को व्यावसायिक नौवहन के लिए तुरंत बिना टोल या प्रतिबंध के खोलने का प्रावधान है, जिससे ईरान बिना किसी रोक-टोक के तेल निर्यात फिर शुरू कर सके। इससे पहले तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। मुख्य प्रावधानों में ईरान द्वारा आईएईए निगरानी में समृद्ध यूरेनियम स्टॉक को डाउनब्लेंड करने और परमाणु हथियार न बनाने की प्रतिबद्धता शामिल है। अमेरिका ने 24 बिलियन डॉलर की जमी हुई ईरानी संपत्ति जारी करने और अनुपालन पर निर्भर 300 बिलियन डॉलर के पुनर्निर्माण फंड के ढांचे का समर्थन करने पर सहमति दी। 60 दिनों के भीतर प्रतिबंधों में राहत, परमाणु मुद्दों और सुरक्षा पर अंतिम समझौते के लिए जेनेवा में बातचीत शुरू होने वाली है। वर्साय हस्ताक्षर से पहले डिजिटल प्रक्रिया हुई थी। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरानी संसद स्पीकर मोहम्मद बागेर गालिबफ ने पहले डिजिटल रूप से हस्ताक्षर किए थे, जिनके गवाह ट्रंप थे। विदेश मंत्री मार्को रुबियो वर्साय डिनर में मौजूद थे जब ट्रंप ने इसे अंतिम हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षरित दस्तावेजों की तस्वीरें दोनों पक्षों में आदान-प्रदान की गईं।

संघर्ष की पृष्ठभूमि में अमेरिका-इजरायल हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हुई थी। इसमें अमेरिकी पक्ष में करीब 15 मौतें, ईरान में हजारों और लेबनान में 3700 से अधिक हताहत हुए। एमओयू अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी हटाता है और सत्यापन तंत्र बनाए रखते हुए डी-एस्केलेशन पर केंद्रित है। होर्मुज जलडमरूमध्य-वैश्विक तेल परिवहन का महत्वपूर्ण मार्ग-के खुलने से बाजार दबाव कम हुआ है। ऊर्जा कीमतों में स्थिरता और शिपिंग विश्वास की बहाली से अंतर्राष्ट्रीय बाजारों को राहत मिली है। दोनों नेताओं ने इसे व्यावहारिक स्थिरता कदम बताया। ट्रंप ने इसे "बहुत मजबूत" दस्तावेज कहा जबकि पेजेशकियन ने इसे क्षेत्रीय गर्व का विषय बताया। वर्साय में हस्ताक्षर प्रतीकात्मक हैं, जहां 1919 में प्रथम विश्व युद्ध समाप्त करने वाली वर्साय संधि हुई थी। हालांकि यह अंतरिम है, लेकिन सक्रिय लड़ाई रोकने और कूटनीति का रास्ता खोलता है। पूर्ण पाठ सार्वजनिक रूप से ब्रीफ किया गया है।

आईसीएआर-आईआईओआर की स्मार्ट सीड कोटिंग तकनीक उन्नत बीज गुणवत्ता और फसल निर्धारण के माध्यम से जलवायु-लचीली कृषि को मजबूत बनाती है

स्मार्ट सीड टेक्नोलॉजी से मूंगफली और सोयाबीन की पैदावार में 30 प्रतिशत तक की वृद्धि हो रही है

बायोपॉलिमर आधारित स्मार्ट सीड्स से वर्षा आधारित कृषि को मजबूती मिलेगी और किसानों की आय में सुधार होगा

आईसीएआर-आईआईओआर बड़े पैमाने पर अपनाने के लिए सार्वजनिक और निजी बीज प्रणालियों के साथ साझेदारी को बढ़ावा दे रहा है

(जीएनएस)।

जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीली कृषि को मजबूत करने और कृषि उत्पादकता में सुधार लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, आईसीएआर-भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईआईओआर), हैदराबाद ने एक अभिनव बायोपोलीमर-आधारित स्मार्ट सीड कोटिंग तकनीक विकसित और प्रदर्शित की है, जिसे कृषि फसलों की एक विस्तृत श्रृंखला में बीज की गुणवत्ता, फसल के निर्धारण और जैविक और अजैविक तनाव के विरूद्ध लचीलेपन को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है।

जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा, सूखा, तापमान में अत्यधिक उतार-चढ़ाव, मृदा क्षरण, नए कीटों और रोगों के उदय, और संसाधनों के उपयोग की घटती दक्षता जैसी चुनौतियों के कारण कृषि क्षेत्र में बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए, बीजों की श्रेष्ठ गुणवत्ता सुनिश्चित करना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। बीज कृषि प्रौद्योगिकी का प्राथमिक वाहक है और फसल उत्पादकता का आधार है। अनुकूलतम प्रबंधन स्थितियों में भी, बीजों का खराब अंकुरण उपज को काफी हद तक सीमित कर सकता है। इसलिए, फसल वृद्धि के प्रारंभिक चरणों में बीजों की गुणवत्ता को मजबूत करना कृषि उत्पादकता में सुधार के सबसे किफायती और व्यापक तरीकों में से एक है।

आईसीएआर-आईआईओआर द्वारा विकसित स्मार्ट सीड कोटिंग तकनीक (भारतीय पेटेंट) जैव अपघटनीय जैव-पॉलिमरिक पदार्थों का उपयोग करके बीजों के चारों ओर एक बहुक्रियाशील सुरक्षात्मक परत बनाती है। यह परत लाभकारी सूक्ष्मजीवों, पोषक तत्वों, सूक्ष्म पोषक तत्वों, फसल सुरक्षा एजेंटों और पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देने वाले यौगिकों के लिए एक वाहक प्रणाली के रूप में कार्य करती है, और इन्हें सीधे बीज-मिट्टी के संपर्क केन्द्र में पहुंचाती है। यह सुरक्षात्मक सूक्ष्म वातावरण फसल के निर्धारण के महत्वपूर्ण चरण के दौरान तेजी से अंकुरण, पौधों की जोरदार वृद्धि, जड़ों के बेहतर विकास और पर्यावरणीय खिचाव के प्रति सहनशीलता में सुधार को बढ़ावा देता है।

किसानों के खेतों में किए गए क्षेत्रीय प्रदर्शनों से फसल की स्थापना, पौधों की मजबूती और उत्पादकता में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। तेलंगाना में मूंगफली और सोयाबीन पर किए गए प्रदर्शनों में पारंपरिक कृषि पद्धतियों की तुलना में उपज में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ाने के लिए इस तकनीक की क्षमता को उजागर करती है। इसी तरह के बीज संवर्धन दृष्टिकोणों ने विभिन्न कृषि-जलवायु परिस्थितियों में कई फसलों पर सकारात्मक प्रभाव दिखाया है। सोयाबीन, मक्का, मूंगफली, चना, कपास, सरसों और अरहर पर किए गए बहु-स्थानिक एआईसीआरपी-बीज परीक्षणों में अंकुरण की मजबूती, फसल की स्थापना और उपज में लगातार सुधार देखा गया, जिसमें अनुपचारित नियंत्रणों की तुलना में उत्पादकता में 12-37 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो विभिन्न फसल प्रणालियों के लिए एक स्केलेबल स्मार्ट सीड तकनीक के रूप में बायोपोलीमर-आधारित बहुस्तरीय बीज उपचारों की क्षमता को दशार्ता है।

यह तकनीक विशेष रूप से वर्षा आधारित कृषि के लिए प्रासंगिक है, जो भारत के कृषि योग्य क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा है और जलवायु संबंधी अनिश्चितताओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। मानसून में देरी, बार-बार पड़ने वाला सूखा, नमी की कमी, मिट्टी की खराब स्थिति और कीटों और रोगों का प्रकोप अक्सर पौधों के अंकुरण और फसल की स्थापना को प्रभावित करता है, जिससे अंततः पैदावार कम हो जाती है। बीजों के प्रदर्शन में सुधार करके और विकास के सबसे संवेदनशील चरणों के दौरान अंकुरण करने वाले पौधों की रक्षा करके, स्मार्ट बीज तकनीकें फसलों की सहनशीलता को काफी हद तक बढ़ा सकती हैं और उत्पादन जोखिमों को कम कर सकती हैं।

परंपरागत बीज उपचारों के विपरीत, जो केवल एक ही उद्देश्य की पूर्ति करते हैं, आईसीएआर-आईआईओआर प्लेटफॉर्म एक व्यापक बीज संवर्धन प्रणाली के रूप में कार्य करता है जो एक ही अनुप्रयोग में कई लाभकारी कारकों को एकीकृत करने में सक्षम है। इस तकनीक को अनाज, बाजरा, दालें, तिलहन, रेशे वाली फसलें, चारा फसलें, सब्जियां, मसाले और बागवानी फसलों के लिए अनुकूलित किया जा सकता है, जिससे यह देश भर में विविध कृषि प्रणालियों के लिए एक बहुमुखी समाधान बन जाता है।

यह नवाचार सतत कृषि, जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता, उन्नत बीज प्रणालियों और संसाधनों के बेहतर उपयोग जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप है। उन्नत बीज संवर्धन प्रौद्योगिकियों को व्यापक रूप से अपनाने से कृषि उत्पादकता बढ़ाने, इनपुट हानि को कम करने, पोषक तत्वों और जैविक उपयोग दक्षता में सुधार करने और देश के खाद्य, पोषण और आर्थिक सुरक्षा के प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान मिल सकता है।

आईसीएआर-आईआईओआर के वैज्ञानिकों ने इस बात पर बल दिया कि भविष्य में कृषि विकास तेजी से उन तकनीकों पर निर्भर करेगा जो किसानों द्वारा उपयोग किए जाने वाले प्रत्येक इनपुट की दक्षता और प्रभावशीलता में सुधार करती हैं। स्मार्ट सीड्स इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं, जो फसल की वृद्धि के शुरूआती चरण में ही, जहां इनकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है, सुरक्षा, पोषण और जैविक सहायता प्रदान करते हैं। ऐसी तकनीकें किसानों को बेहतर फसल स्थापना, तनाव सहनशीलता में सुधार, उच्च पैदावार और अधिक लाभप्रदता प्राप्त करने में मदद कर सकती हैं, साथ ही पर्यावरणीय प्रभावों को भी कम कर सकती हैं।

इस नवाचार के अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए, आईसीएआर-आईआईओआर व्यापक प्रसार और उपयोग हेतु सार्वजनिक और निजी बीज प्रणालियों के साथ साझेदारी को बढ़ावा दे रहा है। राज्य बीज विकास निगम, राष्ट्रीय बीज निगम, सहकारी बीज संघ, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), बीज प्रसंस्करण इकाइयाँ, बीज केंद्र, अनुकूलित बीज उपचार केंद्र, बीज उद्यमी और निजी बीज कंपनियाँ स्मार्ट बीज प्रौद्योगिकियों को बीज उत्पादन और वितरण नेटवर्क में एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस प्रकार के सहयोग से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि गुणवत्ता-संवर्धित बीज बड़े पैमाने पर किसानों तक पहुँचें और सतत कृषि विकास में योगदान दें।

आईसीएआर-आईआईओआर जैव पॉलिमर, लाभकारी सूक्ष्मजीवों, पोषक तत्व वितरण प्रणालियों और पर्यावरण के अनुकूल फॉर्मूलेशन से युक्त अगली पीढ़ी की बीज संवर्धन प्रौद्योगिकियों पर अनुसंधान को आगे बढ़ा रहा है, जिसका उद्देश्य पारंपरिक बीजों को जलवायु-प्रतिरोधी स्मार्ट बीजों में परिवर्तित करना है। ऐसी प्रौद्योगिकियों को व्यापक रूप से अपनाने से भारत की बीज प्रणाली सुदृढ़ हो सकती है, कृषि उत्पादकता में सुधार हो सकता है, जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन बढ़ सकता है और अंततः देश भर के लाखों किसानों की आजीविका में सुधार हो सकता है।

'वन नेशन, वन एक्सपो' थीम के तहत भारत बिल्डकॉन 2026 का उद्घाटन

राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद ने भारतीय आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने और उद्योग के लिए वैश्विक अवसरों के विस- तार में एफटीए की भूमिका पर जोर दिया

भारत बिल्डकॉन 2026 में 90 से ज्यादा देशों और 100 भारतीय शहरों के प्रतिभागी एक साथ आए, जहाँ 24 भवन निर्माण सामग्री खंडों में नवाचारों का प्रदर्शन किया गया

प्रविष्टि तिथिः 18 खवठ 2026 5:08ढट‿८ ढक्ह ऊॅ

भारत बिल्डकॉन 2026 झ 'वन नेशन, वन एक्सपो' जो भवन निर्माण सामग्री और निर्माण उद्योग के लिए एक प्रदर्शनी है, का उद्घाटन आज नई दिल्ली स्थित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में उद्घाटन वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद, केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल तथा सांसद श्री पुरुषोत्तम रूपाला ने निर्माण एवं भवन सामग्री उद्योग के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया।

पहले दिन यहाँ 25,000 से अधिक आगंतुक प्रदर्शनी देखने आए। यह प्रदर्शनी भारत के विभिन्न हिस्सों और विदेशों से आर्किटेक्ट्स, बिल्डर्स, डेवलपर्स, ठेकेदारों, निमार्ताओं, व्यापारियों, नीति-निमार्ताओं, उद्योग संघों तथा अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को एक साथ लाती है, जिससे उद्योग के बीच संवाद और व्यावसायिक सहयोग के लिए एक मंच उपलब्ध होता है।

इस अवसर पर अपने संबोधन में वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद ने आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय उद्योगों के लिए अवसरों के विस्तार में मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने भारतझब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) का उल्लेख करते हुए कहा कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच बाजार पहुंच बढ़ने के साथ ही साथ व्यापार संबंधों के मजबूत होने की आशा है, जिससे भारतीय निमार्ताओं और निर्यातकों के लिए नए अवसर उत्पन्न होंगे। श्री प्रसाद ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन का भी उल्लेख किया, जिसमें गुणवर्ॅ ाा पर ध्यान देते हुए भारत को भरोसेमंद वैश्विक विनिर्माण और सोर्सिंग गंतव्य के तौर पर स्थापित करने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि भारत के पास निर्माण एवं भवन सामग्री सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए आवश्यक क्षमताएँ और संसाधन मौजूद हैं। श्री प्रसाद ने कहा कि भारत बिल्डकॉन जैसे मंच निमार्ताओं, नवप्रवर्तकों, खरीदारों, नीति-निमार्ताओं और उद्योग हितधारकों के बीच संवाद को सुगम बनाते हैं, साथ ही इस क्षेत्र में अधिक सहयोग और व्यावसायिक अवसरों के विस्तार में योगदान देते हैं।

भारत बिल्डकॉन 2026 में 90 से अधिक देशों और भारत के 100 से अधिक शहरों की भागीदारी है। इस प्रदर्शनी में सिरेमिक्स और स्टोन, हार्डवेयर, सीमेंट और स्टील, प्लाइवुड और लैमिनेट्स, फर्नीचर, सैनिटरीवेयर, इलेक्ट्रिकल्स, पेंट्स, निर्माण प्रौद्योगिकियों तथा अन्य संबंधित क्षेत्रों सहित 24 खंडों में उत्पादों, तकनीकों और नवाचारों का प्रदर्शन किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी आगामी दिनों में भी जारी रहेगी और उद्योग सहभागिता, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन तथा व्यावसायिक संवाद के लिए एक मंच प्रदान करेगी

सुपरहिट हॉरर फिल्म 'द रिंग'˘ की एक्ट्रेस डेवी चेज की हुई मौत

(जीएनएस)।

हॉलीवुड से एक बेहद दुखद खबर सामने आ रही है। ब्लॉकबस्टर हॉरर फिल्म 'द रिंग' में अपने दमदार अभिनय से दुनिया भर में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस डेवी चेज का 35 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनकी अचानक मौत की खबर ने फिल्म इंडस्ट्री के साथ-साथ करोड़ों फैंस को भी गहरे सदमे में डाल दिया है। सोशल मीडिया पर फैंस लगातार उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं और उनकी यादों को शेयर कर रहे हैं।

गंभीर बीमारी से जूझ रही थीं डेवी चेज

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक्ट्रेस डेवी चेज पिछले कुछ समय से मेनिन्जाइटिस और गंभीर ब्लड इंफेक्शन जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थीं। बताया जा रहा है कि इंफेक्शन लगातार बढ़ रहा था, जिससे उनके शरीर के कई अंग प्रभावित होने लगे थे। अच्छे ट्रीटमेंट के बावजूद उनकी हालत में सुधार नहीं हो पा रहा था और आखिरकार 35 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली।

चाइल्ड आर्टिस्ट से हॉलीवुड स्टार बनने तक का सफर

-आपको बता दें कि डेवी चेज की मौत की खबर ने उन लोगों को भी हैरान कर दिया है, जिन्होंने उन्हें बचपन से बड़े पर्दे पर बढ़ते हुए देखा था। इतनी कम उम्र में उनका जाना हॉलीवुड के लिए एक बड़ी क्षति माना जा रहा है।

-डेवी चेज उन कलाकारों में शामिल थीं जिन्होंने बेहद कम उम्र में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कदम रखा था। अपने अभिनय कौशल और अलग पहचान वाली आवाज की बदौलत उन्होंने जल्दी ही दर्शकों के दिलों में जगह बना ली थी।

-साल 2000 के दशक में डेवी चेज को हॉलीवुड की सबसे प्रतिभाशाली युवा कलाकारों में गिना जाता था। एक्टिंग के साथ-साथ वॉयस आर्टिस्ट के रूप में भी उन्होंने खूब पॉपुलैरिटी हासिल की थी। उनकी प्रतिभा ने उन्हें इंडस्ट्री में एक अलग मुकाम दिलाया था।

'द रिंग' और 'लिलो एंड स्टिच' से मिली वैश्विक पहचान

-डेवी चेज का नाम लेते ही सबसे पहले ब्लॉकबस्टर हॉरर फिल्म 'द रिंग' की याद आती है। इस फिल्म में उनके किरदार ने दर्शकों को डराने के साथ-साथ उनके अभिनय की गहरी छाप भी छोड़ी थी। ये फिल्म उनके करियर का सबसे बड़ा टर्निंग प्वाइंट साबित हुई थी।

-इसके अलावा डिज्नी की फेमस एनिमेटेड फिल्म 'लिलो एंड स्टिच' में 'लिलो' को अपनी आवाज देकर भी डेवी ने दुनियाभर में पहचान बनाई थी। उनकी आवाज और अभिनय दोनों ने उन्हें लाखों दर्शकों का पसंदीदा कलाकार बना दिया था।

विवादों ने बदला करियर का रास्ता

सफलता की ऊंचाइयों पर पहुंचने के बावजूद डेवी चेज का निजी जीवन कई उतार-चढ़ावों से गुजरा था। कुछ कानूनी विवादों और व्यक्तिगत समस्याओं के चलते उन्होंने धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री से दूरी बना ली थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डेवी चेज का नाम कुछ ड्रग्स से जुड़े मामलों में भी सामने आया था, जिसके बाद उनका करियर प्रभावित हुआ था। एक समय इंडस्ट्री की उभरती हुई स्टार मानी जाने वाली डेवी अचानक पर्दे से गायब हो गई थीं और लंबे समय तक सार्वजनिक जीवन से दूर रहीं।

2016 में रिलीज हुई थी डेवी की आखिरी फिल्म

-कई सालों तक सुर्खियों से दूर रहने के बाद डेवी चेज ने साल 2016 में हॉरर फिल्म 'जैक गोज होम' के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी की थी। फिल्म में उनके काम को सराहा गया था लेकिन ये उनके अभिनय करियर की आखिरी फिल्म साबित हुई।

-अब डेवी चेज के निधन के साथ हॉलीवुड ने एक ऐसी कलाकार को खो दिया है, जिसने कम उम्र में ही अपनी प्रतिभा से दुनिया भर में पहचान बनाई थी। भले ही डेवी चेज आज इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन उनकी फिल्मों और यादगार किरदारों के जरिए वह हमेशा दर्शकों के दिलों में जिंदा रहेंगी।

-डेवी चेज का असमय निधन हॉलीवुड और उनके फैंस के लिए एक बड़ा झटका है। एक चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में शुरू हुआ उनका सफर कई यादगार किरदारों और उपलब्धियों से भरा रहा। 'द रिंग' और 'लिलो एंड स्टिच' जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए उन्होंने जो पहचान बनाई, वह आने वाले कई सालों तक याद की जाती रहेगी।

वैभव सूर्यवंशी के लिए बीसीसीआई ने किए विशेष इंतजाम, श्रीलंका में बवाल के बाद भारतीय बोर्ड ने उठाया बड़ा कदम

(जीएनएस)।

श्रीलंका के दांबुला मैदान पर भारत-ए और श्रीलंका-ए के बीच मैच के बाद हुए विवाद ने क्रिकेट जगत में काफी सुर्खियां बटोरी हैं। इस घटना के ठीक बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एक बेहद संजीदा और बड़ा कदम उठाते हुए अपने 15 वर्षीय युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के लिए एक विशेष प्रोटोकॉल तैयार किया है। यूके और आयरलैंड दौरे पर ड्रेसिंग रूम में माहौल अच्छा रखने का प्रयास किया जाएगा।

श्रीलंका से आने के बाद वैभव सूर्यवंशी को आगामी यूके और आयरलैंड दौरे के लिए रवाना होना है, जहां वे भारतीय टीम का हिस्सा होंगे। उनकी बेहद कम उम्र और श्रीलंका में मैदान पर उपजे हालिया तनावपूर्ण

हालातों को देखते हुए बीसीसीआई ने इस बार उनके यात्रा प्रोटोकॉल और लॉजिस्टिक्स में कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण बदलाव करने का फैसला किया है, पैरेंट्स उनके साथ जाएंगे।

अकेले सफर नहीं करेंगे

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने पीटीआई से बातचीत में कहा कि नियर राष्ट्रीय टीम में 14-15 साल के खिलाड़ी का होना बेहद दुर्लभ है। कई दशकों बाद भारतीय क्रिकेट को वैभव सूर्यवंशी जैसा असाधारण प्रतिभाशाली खिलाड़ी मिला है। इससे पहले इतनी कम उम्र में सचिन तेंदुलकर ने भारतीय सीनियर टीम में जगह बनाई थी। ऐसे में इतनी कम उम्र के खिलाड़ी के लिए सीनियर टीम के माहौल में खुद को ढालना आसान नहीं होता और कई तरह की चुनौतियां सामने आती हैं।

उन्होंने आगे कहा कि इसी को ध्यान में रखते हुए हमने वैभव के साथ एक अभिभावक जैसी मौजूदगी सुनिश्चित करने का फैसला किया है। टीम के सभी खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ वयस्क हैं, ऐसे माहौल में किसी 14 वर्षीय खिलाड़ी के लिए सहज महसूस करना बेहद जरूरी है। हमारा मानना है कि इससे वैभव को टीम के वातावरण में जल्दी घुलने-मिलने में मदद मिलेगी और उनके सामने आने वाली कई व्यावहारिक व मानसिक चुनौतियां भी काफी हद तक कम हो जाएंगी।

अनुशासन और सुरक्षा पर बोर्ड का कड़ा रुख

श्रीलंका के खिलाड़ी को धक्का देने की घटना के बाद मैच रेफरी ने वैभव पर भारी जुमार्ना लगाने की सिफारिश की है, जिससे बोर्ड उनके व्यवहार को लेकर भी सतर्क है। इस विशेष इंतजाम के जरिए बीसीसीआई न सिर्फ उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहता है बल्कि उन्हें खेल के कड़े अनुशासन के बारे में भी सिखाना चाहता है।

यूके का यह दौरा वैभव सूर्यवंशी के करियर के लिए एक बहुत बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है जहां की तेज और पिचों पर उनका असली इम्तिहान होना है। ऐसे में बीसीसीआई द्वारा किया गया यह विशेष और अनोखा इंतजाम उन्हें बिना किसी मानसिक तनाव के सिर्फ और सिर्फ

डॉलर के सामने औंधे मुंह क्यों गिरा भारतीय रुपया? 3 बड़ी वजह, आपकी जेब पर कितना असर

(जीएनएस)।

भारतीय रुपये में एक बार फिर कमजोरी देखने को मिली है। गुरुवार (18 जून) को शुरूआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 21 पैसे टूटकर 94.71 के स्तर तक पहुंच गया। एक दिन पहले ही रुपये ने मामूली मजबूती दिखाई थी, लेकिन यह बढ़त ज्यादा देर टिक नहीं पाई। एक आम भारतीय नागरिक के लिए रुपये का गिरना सीधे तौर पर महंगाई बढ़ने का संकेत होता है, क्योंकि अब भारत को विदेशों से कच्चा तेल, इलेक्ट्रॉनिक सामान और अन्य जरूरी चीजें आयात करने के लिए पहले से ज्यादा पैसे चुकाने होंगे।

सवाल यह है कि आखिर अचानक ऐसा क्या हुआ कि भारतीय मुद्रा फिर दबाव में आ गई? क्या इसका असर पेट्रोल, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और विदेश से आने वाले सामानों पर पड़ सकता है? आइए समझते हैं कि आखिर रुपये में इस बड़ी गिरावट के पीछे कौन से 3 सबसे बड़े कारण हैं।

1. अमेरिकी सेंट्रल बैंक का कड़ा रुख और ब्याज दरें बढ़ने का इशारा

रुपये के टूटने की सबसे मुख्य वजह अमेरिकी सेंट्रल बैंक यानी

फेडरल रिजर्व का 'हॉकिश' (सख्त) रवैया है। फेडरल रिजर्व ने अपनी हालिया मीटिंग में जमा दरों को तो फिलहाल नहीं बदला, लेकिन उसने साफ संकेत दे दिए हैं कि इस साल के अंत तक ब्याज दरों में कम से कम एक चौथाई फीसदी (0.25%) की बढ़ोतरी की जा सकती है।

जब अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ती हैं या बढ़ने के संकेत मिलते हैं, तो दुनिया भर के ग्लोबल इनवेस्टर्स भारतीय बाजार जैसे उभरते बाजारों से अपना पैसा निकालकर अमेरिकी संपत्तियों में लगाने लगते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें वहां निवेश करना ज्यादा सुरक्षित और फायदेमंद लगने लगता है। इस वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर की मांग तेजी से बढ़ती है और रुपया कमजोर होने लगता है।

2. ग्लोबल मार्केट में अमेरिकी डॉलर का बढ़ता दबदबा

फेडरल रिजर्व के इस फैसले के बाद दुनिया की छह प्रमुख करेंसी के मुकाबले डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर इंडेक्स 0.14% की बढ़त के साथ 100.23 के स्तर पर पहुंच गया है। यह पिछले चार महीनों में डॉलर इंडेक्स का सबसे ऊंचा स्तर है।

जब डॉलर वैश्विक स्तर पर मजबूत होता है, तो दुनिया भर की अन्य प्रमुख करेंसी पर दबाव आना स्वाभाविक है। फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के हेड ऑफ ट्रेजरी अनिल कुमार भंसाली के मुताबिक, डॉलर के इस आक्रामक रुख के सामने लगभग सभी तरह के एसेट क्लास कमजोर नजर आ रहे हैं, जिससे डॉलर को हर तरफ से सपोर्ट मिल रहा है और भारतीय करेंसी लगातार बैकफुट पर जा रही है।

3. एशियाई बाजारों में कमजोरी और घरेलू शेयर बाजार की सुस्ती

रुपये के गिरने का तीसरा बड़ा कारण यह है कि आज सुबह से ही भारत के पड़ोसी एशियाई देशों की करेंसी में भी डॉलर के मुकाबले भारी कमजोरी देखी जा रही है। जब पूरा एशियाई बाजार दबाव में होता है, तो उसका संक्रामक असर भारतीय रुपये पर भी पड़ता है।

इसके साथ ही, आज घरेलू शेयर बाजार की शुरूआत भी गिरावट के साथ हुई। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 111.23 अंक गिरकर 77,044.39 पर और निफ्टी 26.85 अंक फिसलकर 24,058.85 के स्तर पर आ गया। शेयर बाजार में इस सुस्ती ने भी रुपये के सेंटिमेंट को कमजोर करने का काम किया, हालांकि विदेशी संस्थागत निवेशक (FII) अभी भी भारतीय बाजार में शुद्ध खरीदार बने हुए हैं और उन्होंने बुधवार को 101.59 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

लखनऊ-कानपुर के बीच रैपिड रेल कॉरिडोर, एससीआर के लिए बाहरी रिंग रोड, योगी ने यूपी के विकास की तस्वीर दिखाई

गुरुवार को उन्नाव में सीएम आदित्यनाथ ने 101 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। योगी ने कहा कि उन्नाव और कानपुर के बीच गंगा पर दो और पुलों के प्रस्ताव को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है।

उन्नाव में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र, चेक एवं नियुक्ति-पत्र सीएम योगी ने दिए

(जीएनएस)।

उन्नावः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में विकास को गति देने के लिए लखनऊ और कानपुर के बीच उन्नाव के माध्यम से रैपिड रेल कॉरिडोर की योजना तैयार की जा रही है। साथ ही राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) को जोड़ने के लिए एक बाहरी रिंग रोड भी प्रस्तावित है।

उन्नाव में 570 करोड़ रुपये से अधिक की 101 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उन्नाव को लखनऊ राज्य राजधानी क्षेत्र में शामिल किया गया है, जिससे अब राजधानी का विकास केवल हजरतगंज तक सीमित

नहीं रहेगा। लखनऊ का विकास अब उन्नाव तक पहुंचेगा और कानपुर की ओर आगे बढ़ेगा।

उन्होंने यह भी बताया कि उन्नाव और कानपुर के बीच गंगा पर दो और पुलों के प्रस्ताव को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है। दिल्लीझमेरठ रैपिड रेल परियोजना की तर्ज पर लखनऊ से उन्नाव होते हुए कानपुर तक रैपिड रेल सेवा के लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

बाहरी रिंग रोड से जोड़ेंगे ये जिले

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रस्तावित बाहरी रिंग रोड लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, हरदोई, बाराबंकी और रायबरेली को जोड़ेगी, जिससे एक बड़ा विकास क्लस्टर विकसित होगा और सभी क्षेत्रों को समान रूप से लाभ मिलेगा। उन्नाव में लगभग 700 एकड़ भूमि पर डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर और एक औद्योगिक क्लस्टर विकसित किया जा रहा है, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

'सरकार दीर्घकालिक विकास योजना पर काम कर रही'

उन्होंने कहा कि सरकार अगले 100 वर्षों को ध्यान में रखते हुए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के साथ दीर्घकालिक विकास योजना पर काम कर रही है। गंगा एक्सप्रेसवे का उल्लेख करते हुए कहा कि यह क्षेत्र को जोड़ने के साथ-साथ आधुनिक सड़क ढांचे का उदाहरण है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का भी जिक्र किया और कहा कि उत्तर प्रदेश अब एक्सप्रेसवे और हवाई अड्डों के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बन चुका है।

25 करोड़ लोग मेरा परिवार हैं- योगी

उन्होंने कहा कि विकास का लाभ उन लोगों के कारण संभव हो रहा है, जो प्रगति के दृष्टिकोण वाली सरकारों को चुन रहे हैं। पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कुछ नेताओं ने अपने क्षेत्रों तक ही विकास को सीमित रखा। मेरा घर उत्तर प्रदेश है और राज्य के 25 करोड़ लोग मेरा परिवार हैं। उनके कल्याण और समृद्धि के लिए काम करना हमारा संकल्प है।

स्वतंत्रता सेनानी वीर गुलाब सिंह लोधी का किया जिक्र

उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि उन्नाव में विकास कार्य बिना किसी रुकावट के जारी रहेंगे और धन की कोई कमी नहीं होगी। अपने संबोधन में उन्होंने उन्नाव को साहित्यकार पंडित सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', स्वतंत्रता सेनानी वीर गुलाब सिंह लोधी और अन्य ऐतिहासिक विभूतियों की धरती बताते हुए जिले की सांस्कृतिक विरासत का भी उल्लेख किया।

लखनऊ : अंडों से निकलने लगे घड़ियाल के बच्चे, 400 होने की उम्मीद; चंबल नदी के पास से लाए गए थे 500 अंडे

लखनऊ के कुकरैल घड़ियाल पुनर्वास केंद्र में चंबल नदी से लाए गए 500 अंडों से बच्चे निकलने लगे हैं, जिससे 400 नए घड़ियालों के जुड़ने की उम्मीद है।

400 नए घड़ियाल जुड़ने से संख्या 866 तक पहुंचेगी।

विश्व मगरमच्छ दिवस पर बच्चों को संरक्षण का महत्व बताया गया।

(जीएनएस)।

लखनऊ। घड़ियालों के अंडों से अब बच्चे बाहर आने लगे हैं। पांच सौ अंडों को चंबल नदी के पास से कुकरैल के घड़ियाल पुनर्वास केंद्र लाया गया था। उम्मीद है कि अंडों से निकले बच्चों की संख्या चार सौ होगी। इन्हें मिलाकर केंद्र घड़ियालों की संख्या 866 हो जाएगी।

जब घड़ियाल के बच्चे सवा मीटर की लंबाई होने और ढाई वर्ष पूरा होने पर किसी नदी में छोड़ा जाएगा। अंडों को चंबल से लाने का मकसद यह रहता है कि वहां अंडे से बाहर आने के बाद नदी में वह शिकार हो जाते थे और नवजातों की मृत्यु दर बढ़ने से इसकी संख्या लगातार गिरने के कारण ही 1975 में घड़ियाल पुनर्वास केंद्र की स्थापना की गई थी।

घड़ियाल पुनर्वास केंद्र की रेंज

अफसर अनामिका सिंह ने बताया कि 1970 में हुए सर्वे में देशभर में ढाई सौ से तीन सौ ही घड़ियाल देखे गए थे और उसके बाद ही लखनऊ कुकरैल में पुनर्वास की स्थापना की गई है। यहां पर अंडों से लाकर 60 से 65 दिन की अवधि में आवश्यक तापमान पर इनक्यूबेट कर बच्चे तैयार किए जाते हैं। यहां से घड़ियालों को विदेशों में भी भेजा गया है।

वर्ल्ड क्रोकोडाइल दिवस पर कुकरैल घड़ियाल पुनर्वास केंद्र पर बच्चों को जानकारी दी गई। रेंज अफसर अनामिका सिंह ने बताया कि बच्चों को जलीय जीव के साथ ही बताया गया कि मगरमच्छ तीन तरह के होते हैं। उसमें घड़ियाल और एक प्रजाति मीठे पानी में रहती हैं, जबकि तीसरी समुद्र में रहती है।

इस अवसर पर पर्यावरणम सोसाइटी ने भी आयोजन किया। बच्चों के लिए एक अनूठी "कलरिंग एक्टिविटी" आयोजित की गई, जिसमें चार दृश्यों के माध्यम से एक कहानी को दर्शाया गया था। प्रत्येक चरण में बच्चे कहानी से जुड़ते गए और उत्साहपूर्वक रंग भरते रहे। कार्यक्रम के दौरान, वन विभाग की फारेस्टर रेनू सिंह और बृज मोहन ने बच्चों को घड़ियाल और मगरमच्छों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

संरक्षण के महत्व से कराया अवगत

कार्यक्रम में पर्यावरणम सोसाइटी से देवयानी सिंह, अपूर्व त्रिवेदी, पूर्वी, उत्कर्ष और वन विभाग से आलोक, अनिल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। पर्यावरणम सोसाइटी के संस्थापक आदित्य तिवारी ने बताया कि वर्ल्ड क्रोकोडाइल डे क्यों मनाया जाता है और बच्चों को इनके संरक्षण के महत्व से अवगत कराया।

कार्यक्रम में पर्यावरणम सोसाइटी से देवयानी सिंह, अपूर्व त्रिवेदी, पूर्वी, उत्कर्ष और वन विभाग से आलोक, अनिल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। एमिकस एकेडमी के बच्चों और शिक्षकों ने भी इस जागरूकता कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

लखनऊ में मोहर्रम पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम, 5 जोन और 18 सेक्टर में तैनात होगी पुलिस

(जीएनएस)।

लखनऊः राजधानी पुलिस ने मोहर्रम 2026 को लेकर शांति, सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने व्यापक सुरक्षा के इंतजाम किए हैं. साथ यातायात की व्यवस्था भी की गई है. पुलिस कमिश्नरेट ने पूरे शहर में बहुस्तरीय सुरक्षा लागू की है. संवेदनशील और अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती भी की है.

पुलिस आयुक्त के निर्देशन के तहत पश्चिमी जोन सहित पूरे कमिश्नरेट क्षेत्र को सुरक्षा व्यवस्था के लिए पांच जोन और 18 सेक्टर में बांटा गया है. चौक, ठाकुरगंज, सआदतगंज, बाजारखाला, वजीरगंज और अमीनाबाद सहित अन्य संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा रही है. ताजिया जुलूसों, मजलिसों और कर्बला स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल, पीएसी और वरिष्ठ अधिकारियों की तैनाती की गई है.

मोहर्रम ड्यूटी के लिए 4 डीसीपी, 19 एडीसीपी और 52 एसीपी समेत बड़ी संख्या में अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है. साथ ही 91 निरीक्षक, 1104 उपनिरीक्षक और

2477 मुख्य आरक्षी एवं आरक्षी सुरक्षा व्यवस्था में लगाए गए हैं. विशेष सुरक्षा के लिए सुरक्षा के 14 कंपनी और 2 प्लाटून पीएसी भी लगाई गई है.

बबलू कुमार, ज्वॉइंट पुलिस कमिश्नर बबलू कुमार ज्वाइंट पुलिस कमिश्नरेट ने बताया कि जुलूस मार्गों का सत्यापन कर लिया गया है और प्रत्येक प्रमुख मार्ग पर पुलिस पिकेट तथा मोबाइल गश्त की व्यवस्था की गई है। भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग, अतिरिक्त पुलिस बल और विशेष निगरानी की व्यवस्था भी रहेगी. आयोजन समितियों और धर्मगुरुओं के साथ लगातार समन्वय बनाया गया है.

महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए महिला पुलिसकर्मियों, एंटी रोमियो स्क्वॉड, पिंक पेट्रोल और यूपी-112 की विशेष ड्यूटी लगाई गई है. ये टीमें लगातार संवेदनशील क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए निगरानी रखेंगी. लखनऊ पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को तकनीकी रूप से भी मजबूत किया है. सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के जरिए 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है.

सोशल मीडिया पर भ्रामक और सांप्रदायिक पोस्ट करने वालों पर नजर रखी जा रही है. पुलिस ने नागरिकों, ताजियादारों और आयोजन समितियों से अपील की है कि वे निर्धारित मार्ग और समय का पालन करें, अफवाहों से बचें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें. पुलिस प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि मोहर्रम के सभी कार्यक्रमों को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं.

यूपी : CCTV की निगरानी में डॉक्टर डालेंगे वोट, 22 जून को होगा PMS की कार्यकारिणी का चुनाव

प्रांतीय चिकित्सा सेवा (पीएमएस) एसोसिएशन के चुनाव 22 जून को सीसीटीवी की निगरानी में होंगे, जिसमें 8,254 नियमित चिकित्सक मतदान करेंगे।

(जीएनएस)।

लखनऊ। प्रांतीय चिकित्सा सेवा (पीएमएस) एसोसिएशन के चुनाव में पहली बार मतदान केन्द्रों पर सीसीटीवी लगायी जायेगी। 22 जून को लखनऊ में राज्य चिकित्सा विधि प्रकोष्ठ कार्यालय और जिला मुख्यालयों पर सुबह नौ बजे से शाम छह बजे तक मतदान होगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी डा.गयासुद्दीन ने बताया कि इस बार 8,254 मतदाता हैं। इस वर्ष मतपत्र

भी सीसीटीवी के सामने खोले जाएंगे। मतदान समाप्त होने पर मतपेटियों को लखनऊ स्थित पीएमएस भवन लाया जाएगा। 26 जून को परिणाम घोषित किये जाएंगे।

नियमित चिकित्सकों को मतदान का होगा अधिकार

पीएमएस चुनाव में केवल नियमित चिकित्सकों को मतदान का अधिकार होगा। संविदा पर कार्यरत चिकित्सक तथा पुनर्नियोजन पर कार्यरत चिकित्सक मतदान में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। वर्ष 2026-27 की कार्यकारिणी के 10 पदों के लिये 45 चिकित्सक चुनावी मैदान में हैं।

अध्यक्ष पद के लिए सात और महामंत्री पद के लिए छह प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। उपाध्यक्ष (सामान्य) के तीन पदों के लिये 11 उम्मीदवार मैदान में हैं। उपाध्यक्ष (मुख्यालय) पद के लिए दो प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है।

उपाध्यक्ष (महिला) के एक पद के लिए चार महिला चिकित्सक चुनाव लड़ रही हैं। इनमें एक प्रत्याशी बुलंदशहर से और तीन प्रत्याशी लखनऊ से हैं। इसके अलावा अपर महामंत्री, वित्त सचिव और संपादक के एक-एक पद के लिए पांच-पांच उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

भारतीय तटरक्षक बल ने स्वदेशी एयर कुशन वाहन को शामिल करके परिचालन क्षमता को मजबूत किया है

(जीएनएस)।

भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के लिए चौगुले एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित छह स्वदेशी एयर कुशन व्हीकल्स (एसीवी) में से पहला व्हीकल 18 जून, 2026 को गोवा में सेवा में शामिल किया गया। इस होवरक्राफ्ट का उद्देश्य समुद्री क्षेत्र में भारतीय तटरक्षक बल की संचालन क्षमता को बढ़ाना और उभरती चुनौतियों का सामना करने की उसकी क्षमता को मजबूत करना है। इसका सेवा में

शामिल होना आत्मनिर्भर भारत के विजन को आगे बढ़ाएगा और देश के बढ़ते समुद्री औद्योगिक आधार का प्रतीक होगा।

भारतीय तटरक्षक बल के वरिष्ठ अधिकारियों और जहाज निर्माण उद्योग के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। यह दीक्षांत समारोह राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा के अपने दायित्व के समर्थन में आधुनिकीकरण और क्षमता वृद्धि पर संगठन के निरंतर ध्यान को दर्शाता है। भारतीय तटरक्षक बल के लिए छह एसीवी (एकल वाहन) की खरीद का अनुबंध रक्षा मंत्रालय और चोगुले एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के बीच 24 अक्टूबर, 2026 को हस्ताक्षरित किया गया था।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने नीट यूजी पुनर्परीक्षा की तैयारियों का आकलन करने के लिए उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

श्री धर्मेंद्र प्रधान ने परीक्षा प्रक्रिया में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और दक्षता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया

शिक्षा मंत्रालय, राज्य सरकारों, राष्ट्रीय शिक्षा प्राधिकरण (एनटीए) और उच्च शिक्षा संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी और पदाधिकारी बैठक में उपस्थित रहे

(जीएनएस)।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने आज शिक्षा मंत्रालय, राज्य सरकारों, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) और उच्च शिक्षा संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों और पदाधिकारियों की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें 21 जून, 2026 को आयोजित होने वाली एनईटी यूजी पुनर्परीक्षा की तैयारियों का आकलन किया गया। स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव श्री संजय कुमार; उच्च शिक्षा विभाग के सचिव श्री विनीत जोशी और एनटीए के महानिदेशक श्री अभिषेक सिंह भी बैठक में उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने परीक्षा प्रक्रिया में निष्पक्षता, पारदर्शिता और दक्षता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के महत्व पर बल दिया और सभी संबंधित अधिकारियों को सतर्क और पूरी तरह तैयार रहने का निर्देश

दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि पुनर्परीक्षा का निष्पक्ष और सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपाय किए गए हों। सभी स्तरों पर समन्वय के महत्व पर जोर देते हुए मंत्री ने बताया कि मंत्रालय द्वारा नामित अधिकारी पुनर्परीक्षा प्रक्रिया से संबंधित गतिविधियों के समन्वय के लिए सभी राज्यों में पहुंचेंगे और राष्ट्रीय शिक्षा प्राधिकरण (एनटीए) के महानिदेशक के नेतृत्व वाले कमांड सेंटर को रिपोर्ट करेंगे। मंत्री ने राज्य सरकारों के नामित नोडल अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि छात्रों को पुनर्परीक्षा में तनावमुक्त वातावरण में बैठने में सक्षम बनाने के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

विद्यालय शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव श्री संजय कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को परीक्षा में बैठने की व्यवस्था और पीने के पानी सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर परीक्षा में बैठने के लिए पूर्णतः सुगम बनाया जाना चाहिए। उन्होंने राज्य सरकारों के नोडल अधिकारियों से इस संबंध में पर्याप्त कदम सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

उच्च शिक्षा विभाग के सचिव श्री विनीत जोशी ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अब से लेकर पुनर्परीक्षा की तारीख तक का समय महत्वपूर्ण है और उन्होंने सक्रिय समन्वय, निदेशों के समय पर प्रसार और सभी निर्धारित प्रोटोकॉल के सख्त अनुपालन की आवश्यकता पर बल दिया।

एनटीए के महानिदेशक श्री अभिषेक सिंह ने कहा कि एनटीए जिला स्तरीय समन्वय समितियों, राज्य पुलिस विभागों और खुफिया एजेंसियों सहित सभी संबंधित हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पुनर्परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित हो।

परीक्षा की तैयारियों, समन्वय तंत्र, सुरक्षा प्रोटोकॉल, रसद व्यवस्था, शिकायत निवारण तंत्र और परीक्षा दिशानिदेशों के पालन पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को सलाह दी गई कि वे पुनर्परीक्षा के सुचारू, पारदर्शी और निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी हितधारकों के साथ घनिष्ठ समन्वय बनाए रखें।

हाइब्रिड मोड में आयोजित इस बैठक में 222 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारी, केंद्र द्वारा वित्त पोषित संस्थानों के नोडल अधिकारी, कुलपति और देश भर के उच्च शिक्षण संस्थानों के निदेशक इस बैठक में शामिल हुए। उन्होंने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि वे परीक्षा के सुचारू संचालन और उम्मीदवारों के लिए सुगम एवं परेशानी मुक्त अनुभव सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दीवारों पर लाल क्रॉस और नोटिस... लखनऊ में 7 दिन बाद चल सकता है बुलडोजर

सुबह लोग रोज की तरह अपने काम में लगे थे. बच्चों के स्कूल जाने की तैयारी चल रही थी, महिलाएं घर के काम में व्यस्त थीं. तभी कुछ अधिकारी पहुंचे, घरों की दीवारों पर लाल रंग से बड़े-बड़े क्रॉस बनाए गए और नोटिस चिपका दिए गए. नोटिस में लिखा था- 7 दिन के भीतर मकान खाली कर दें. कुछ देर बाद बुलडोजर भी पहुंच गया. देखते ही देखते पूरे इलाके में हड़कंप मच गया.

(जीएनएस)।

राजधानी लखनऊ में 1090 चौराहे के पास सिंचाई विभाग की जमीन पर बने कथित अवैध निमार्णों के खिलाफ प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई शुरू की है. प्रशासन का दावा है कि यह जमीन सिंचाई विभाग की है और उस पर अवैध कब्जा कर मकान बनाए गए हैं. कार्रवाई के दौरान कई घरों पर लाल रंग से क्रॉस का निशान लगाया गया. साथ ही मकान मालिकों को सात दिन के भीतर घर खाली

करने का नोटिस भी दिया गया. एक मकान पर बुलडोजर कार्रवाई किए जाने की भी जानकारी सामने आई है.

अचानक हुई इस कार्रवाई के बाद इलाके के लोगों में नाराजगी और चिंता दोनों देखने को मिली. स्थानीय लोगों का कहना है कि वे वर्षों से यहां रह रहे हैं और उन्हें पहले किसी तरह की स्पष्ट सूचना या नोटिस नहीं दिया गया. लोगों का आरोप है कि प्रशासन अचानक पहुंचा, एक मकान तोड़ दिया और बाकी घरों को खाली करने का अल्टीमेटम दे दिया. कई परिवारों का कहना है कि अगर मकान टूटे तो उनके सामने रहने का संकट खड़ा हो जाएगा.

कार्रवाई के दौरान कई महिलाएं रोती-बिलखती नजर आईं. उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि उनके परिवारों के पास रहने के लिए कोई दूसरा ठिकाना नहीं है. महिलाओं का कहना है कि उन्होंने वर्षों की कमाई लगाकर अपने घर बनाए हैं और अब अचानक बेघर होने का डर सता रहा है.

प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि कार्रवाई सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने के अभियान का हिस्सा है. अधिकारियों के मुताबिक, सिंचाई विभाग की भूमि पर किए गए अवैध निमार्णों को हटाने की प्रक्रिया नियमानुसार चल रही है. हालांकि प्रभावित परिवारों का कहना है कि उन्हें पर्याप्त समय और वैकल्पिक व्यवस्था पर भी विचार किया जाना चाहिए.

फिलहाल जिन घरों पर लाल क्रॉस लगाए गए हैं, वहां रहने वाले परिवार अगले सात दिनों को लेकर बेहद चिंतित हैं. एक तरफ प्रशासन अपनी कार्रवाई को सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने का अभियान बता रहा है, वहीं दूसरी तरफ स्थानीय लोग अपने आशियाने बचाने की गुहार लगा रहे हैं.

पेड़ की डाल से लटकता मिला 10 दिन से लापता युवक का शव

(जीएनएस)।

राजधानी लखनऊ में गोसाईंगंज के घुसकर निवासी अभिषेक रावत (22) का शव बृहस्पतिवार को सिफतनगर में नदी के किनारे पेड़ की डाल से लटकता मिला। वह 10 दिन से लापता था। परिजन और पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी।

इंस्पेक्टर गोसाईंगंज दिलेश कुमार सिंह के मुताबिक, अभिषेक शटरिंग का काम करता था। करीब 10 दिन पहले वह घर से निकला था। देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों की सूचना पर गुमशुदगी दर्ज करके पुलिस उसकी खोजबीन कर रही थी। इसी बीच बृहस्पतिवार दोपहर करीब 12 बजे उसका शव गोमती नदी के किनारे जंगल में पेड़ की डाल से

लटकता मिला।

मामला खुदखुशी का लग रहा है

पुलिस के अनुसार, शव कई दिन पुराना होने के चलता सड़ चुका है। प्रथम दृष्टया मामला खुदखुशी का लग रहा है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट से मौत की वजह स्पष्ट होगी। उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। परिजनों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। छानबीन की जा रही है।